Dainik Bhaskar
4-10-2018
Edition
Page No.

Mission Himalaya | चंडीगढ़ की रैली ड्राइवर अनु राणा अपनी कार के साथ करेंगी मुकाबला, सारा कश्यप बाइक पर जीतने उतरेंगी

रेड द हिमालय चैलेंज के लिए तैयार सिटी गर्ल्स, मुकाबला 8 से

• चंडीगढ़. वर्ल्ड की टॉप-10 मुश्किल रैली चैंपियनशिप में से एक रेड द हिमालय-2018 के लिए स्टेज फाइनल हो चुका है और सभी ड्राइवर्स/राइडर्स अपनी तैयारी कर चुके हैं। टफ, रफ और मुश्किल रेस होने के कारण इसमें मेंस ड्राइवरों के बीच ही मुकाबला माना जाता है लेकिन सिटी की वुमन ड्राइवर और राइडर भी इसमें हिस्सा लेने के लिए तैयार है। चंडीगढ़ की अनु राणा यहां अपनी जीप में मुकाबला करेंगी तो वहीं सिटी वुमन राइडर सारा कश्यप बाइक पर टाइटल जीतने के लिए उतरेंगी।

सिटी रैली ड्राइवर अनु ने 2015 में भी रेड द हिमालय में हिस्सा लिया था और तब उन्होंने टी-2 कैटेगरी में रेस करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया था। उन्होंने कूप द डामेस ट्रॉफी भी हासिल की थी जो रेड की बेस्ट ऑल वुमन टीम को दी जाती है। 2015 और 2016 दोनों में भी अनु यहां पर लीड पर रहीं थी। उन्होंने 2015 में दक्षिण डेयर की टी-2 कैटेगरी में मुकाबला करते हुए रनरअप ट्रॉफी हासिल की थी और 2016 व 2017 में दक्षिण डेयर रैली में हिस्सा लेने वाली अनु एकमात्र महिला ड्राइवर भी थीं। अनु पेशे से फाइनेंशियल कंसल्टेंट हैं और वे यहां पर अपनी बहन पूनम राणा के साथ मुकाबला करेंगी। पूनम रैली में नेविगेटर के तौर पर हिस्सा लेंगी। इससे पहले भी दोनों बहनें एक साथ कई टाइटल जीत चुकी हैं।

सारा कश्यप एक्सट्रीम मोटो कैटेगरी में टाइटल की दावेदार

सिटी स्टार राइडर सारा कश्यप पर भी यहां पर सभी की नजरें होंगी। उन्हें एक्सट्रीम मोटो कैटेगरी में मुकाबला करना है और वे 2015 में भी यहां पर हिस्सा ले चुकी हैं। तब एक्सट्रीम मोटो कैटेगरी में रेस को पूरा करने वाली वे देश की पहली राइडर बनीं थी। इनके अलावा ऑस्ट्रिया की क्लॉडिया होनेदर ही इस रेस को पूरा कर सकी थीं। उन्होंने 2008 में रेस को पूरा किया था। 2017 डेजर्ट स्टॉर्म में उन्होंने एक और सफलता हासिल की थी। उन्होंने एक्सट्रीम मोटो कैटेगरी में आठवां स्थान हासिल किया था।

तीन हजार किलोमीटर की होगी रेस

रेड द हिमालय 2018 की शुरुआत 8 अक्टूबर को लेह लद्दाख से होनी है और 18 अक्टूबर को इसका अंत होगा। राइडर्स और ड्राइवर्स को 3 हजार किलोमीटर का सफर इसमें तय करना होगा। इसकी पहली स्टेज में सभी को लामायुरू से गुजरना होगा जिसे लद्दाख का मूनलैंड कहा जाता है। ड्राइवर्स सबसे ऊंचे माउंटेन पास से भी गुंजरेंगे जिसकी उंचाई 4496 मी. है।

Scanned by CamScanner